हिन्दी विभाग
मनीषा साहित्य परिषद

विज्ञान महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं के साहित्यक अभिवर्धन हेतु मनीषा साहित्य परिषद का गठन किया गया जिसके सदस्य हिन्दी भाषा के प्राध्यापक होते है। यह साहित्य परिषद विगत कई वर्षों से कार्य कर रही है। इस परिषद के कार्यों का प्रारंभ 14 सितम्बर हिन्दी दिवस के आयोजन के साथ होता है। इस समिति द्वारा विद्यार्थियों में तर्क शक्ति के विकास हेतु वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन प्रति वर्ष किया जाता है। वक्तृत्व क्षमता के विकास के लिए भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। रचनात्मक क्रियान्वयन एवं लेखन के क्षेत्र में अभिरूचि जाग्रत करने के उददेश्य से विविध लेखन प्रतियोगितायें आयोजित की जाती है। रचनात्मक एवं ज्ञान संवर्धन के लिये पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता भी आयोजित की जाती है। काव्य एवं गीत के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाते हुए विज्ञान क्षेत्र के विद्यार्थी अपनी अदभुत प्रस्तुति से सभी को आश्चर्यचकित करते है। विविध प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय,तृतीय एवं सांत्वना स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया जाता है।

मनीषा साहित्य परिषद के अंतर्गत ही विद्यार्थी विभिन्न अंर्तमहाविद्यालयीन एवं राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में भी अपनी भागीदारी देते है। विज्ञान के विद्यार्थी अपनी विविध साहित्यक अभिरूचियों का प्रस्तुतीकरण स्तरीय गरिमा के साथ सदन के समक्ष रखते है। राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय स्तर के विविध सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक विषयों पर प्रतियोगितायें आयोजित की जाती है। महिला सशक्तिकरण, राष्ट्र प्रेम, हिन्दी का वर्तमान परिदृश्य, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता राष्ट्रहित में है (पक्षविपक्ष), विज्ञान वरदान है अथवा अभिशाप, प्रौद्योगिकी युग में भारतीय संस्कृति, युवाशक्ति में बढती नशे की प्रवृत्ति, यदि मैं प्रधानमंत्री होता, जीवन का लक्ष्य, गैर पारम्परिक ऊर्जा स्त्रोत, भ्रष्टाचार रोकने के उपाय आदि अनेक विषयों पर अपनी प्रत्युत्पन्नमति एवं वक्तृत्व क्षमता से प्रभावशाली अभिव्यक्ति दी जाती है। इन प्रतियोगिताओं का संचालन डॉ. तनूजा चौधरी, डॉ. मीना गुप्ता एवं डॉ. मृदुला सिंह के द्वारा किया जाता है। निर्णायकों की भूमिका में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों का सहयोग प्राप्त होता है।

डॉ. तनूजा चौधरी
प्रभारी साहित्य परिषद

ज्योतिर्मयी
विमोचन समारोह

स्वरोजगारोन्मुखी कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यशाला
06/8/12 से 01/9/12 तक
एवं
|| उठो जागो और लक्ष्य
प्राप्ति तक रुको मत ||
स्वामी विवेकानंद
शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर
स्वामी विवेकानंद

मनीषा साहित्य-परिषद्